

ॐ जय गंगे माता, श्री जय गंगे माता ।  
जो नर तुझको ध्याता, मनवांछित फल पाता ॥  
चन्द्र सो ज्योत तुम्हारी, जल निर्मल आता ।  
शरण पड़े जो तेरी, सो नर तर जाता ॥ ॐ ॥  
पुत्र सगर के तारे, सब जग को ज्ञाता ।  
कृपा दृष्टि तुम्हारी, त्रिभुवन सुख दाता ॥ ॐ ॥  
एक बार जो प्राणी, शरण तेरी आता ।  
यम की त्रास मिटाकर, परम गति पाता ॥ ॐ ॥  
आरती मात तुम्हारी, जो नित गाता ।  
सेवक वही सहज में, मुक्ति को पाता ॥ ॐ ॥

॥ श्री गंगा-वंदना ॥

पापापहारि दुरितारि तरंगधारि । शैलप्रचारि गिरिराज गुहाविदारि ॥  
झंकारकारि हरिपाद रजोऽपहारि । गंगा पुनातु सततं शुभकारि वारि ॥

॥ श्री सूर्य-वन्दना ॥

नमो नमस्तेऽस्तु सदा विभावसो, सर्वात्मने सप्तहयाय भानवे ।  
अनन्तशक्तिर्मणि भूषणेन, वदस्व भक्तिं मम मुक्तिमव्ययाम् ॥



श्री गंगा जी

## Aartee Shree Gangaa jee kee

Om Jaya gange maataa, Shree gange maataa,  
jo nara tumako dhyaataa, manavaanchhita phala paataa.  
chandra so jyotee tumhaaree, jala nirmal aataa,  
shararna pade jo nara teree, so nara tara jaataa. Om..  
putra sagara ke taare, saba jaga ko gyaataa,  
kirpaa drishtee tumhaaree, tribhuvana sukha daataa. Om..  
eka baara jo praanee, sharana teree aataa,  
yama kee traasa mitaa kara, parama gatee paataa. Om..  
aartee maatu tumhaaree, jo jana nita gaataa,  
sevaka vahee sahaja main, muktee ko paataa. Om..  
Om Jaya gange maataa, maiyaa Jaya gange maataa,